विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 8 नवंबर 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित।

एकादशः पाठः

लृट् लकारः (भविष्यत् कालः)

शब्दार्थ याद कीजिए।

संस्कृत	हिन्दी
तरिष्यतः	दो तैरंगे
उद्भवन्ति	उगते हैं
युष्मभ्यम्	तुम्हारे लिए
स्थास्यसि	(तुम) ठहरोगे
अस्मभ्यम्	हमारे लिए
द्रक्ष्यन्ति	देखेंगे
नर्तिष्यति	नाचेगी
दास्यति	देगी
गास्यामि	गाऊँगी
तॄ	तैरना
स्मृ	याद

उत् + भू	उत्पन्न होना
स्था	ठहराना

जो क्रिया आने वाले समय में होगी, उसे 'लृट् लकार' (भविष्यत् काल) कहते हैं। धातु में निम्न प्रकार हे लृट् लकार के प्रत्यय लगाकर उनके भविष्यत् काल के रूप बनाते हैं।